नवभारत
ग्वालियर, शनिवार, 4 अप्रैल, 2026

हाईटेंशन लाइन ने छीनी दो जिंदगियां

कोलारस में दर्दनाक हादसे से उजड़ गया परिवार

नवभारत न्यूज

शिवपुरी 3 अप्रैल. कोलारस थाना क्षेत्र में शुक्रवार की सुबह एक ऐसा हृदयविदारक हादसा हुआ, जिसने हर किसी की आंखें नम कर दीं। भूसा लेने निकला एक बंजारा परिवार कुछ ही पलों में मातम में बदल गया, जब उनकी ट्रैक्टर-ट्रॉली हाईटेंशन बिजली लाइन की चपेट में आ गई। इस दर्दनाक घटना में एक 30 वर्षीय महिला और 7 साल के मासूम बच्चे की जिंदा जलकर मौत हो गई, जबकि दो अन्य जिंदगी और मौत के बीच जूझ रहे हैं।

राजस्थान के बारां जिले के खेड़ली गांव से हर साल की तरह इस बार भी बंजारा परिवार रोजी-रोटी की तलाश में कोलारस आया था। खेतों के पास डेरा डालकर यह परिवार भूसा खरीदने का काम करता था। शुक्रवार सुबह भी सब कुछ सामान्य था। परिवार के लोग ट्रैक्टर-ट्रॉली में सवार होकर भूसा लेने निकले थे। किसी को अंदाजा नहीं था कि यह सफर उनकी जिंदगी का आखिरी सफर बन जाएगा। जैसे ही ट्रैक्टर देहरदा से डोडयाई की ओर कच्चे रास्ते पर बढ़ा, ट्रॉली में लगे लोहे के लंबे पाइप अचानक ऊपर से गुजर रही हाईटेंशन लाइन से टकरा गए। पल भर में ट्रैक्टर-ट्रॉली करंट की चपेट में आ गई। तेज बिजली प्रवाह ने सब कुछ झुलसा दिया। ट्रॉली में बैठी लीला बाई को संभलने का मौका तक नहीं मिला, करंट लगते ही उनकी साड़ी में आग भड़क उठी और वे चीख भी न सकीं। वहीं उनके पास बैठा 7 साल का मासूम अनिल भी करंट की चपेट में आकर बुरी तरह झुलस गया। यह दृश्य इतना भयावह था कि पास मौजूद लोग कुछ समझ ही नहीं पाए। चीख-पुकार के बीच कुछ ही क्षणों में लीला बाई उम्र 30 वर्ष की जिंदगी खत्म हो गई। अनिल को तुरंत अस्पताल ले जाया गया, लेकिन डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। एक मां और मासूम बेटे की इस तरह मौत ने पूरे इलाके को झकझोर दिया। हादसे के दौरान विनोद बंजारा उम्र 27 वर्ष और केशर बाई करंट लगते ही ट्रैक्टर से दूर जा गिरे। यह उनका सौभाग्य था कि उनकी जान बच गई, लेकिन वे गंभीर रूप से झुलस गए हैं और अस्पताल में जिंदगी के लिए संघर्ष कर रहे हैं। घटना के बाद जब परिजन अस्पताल पहुंचे, तो वहां का मंजर बेहद मार्मिक था। रोते-बिलखते परिजन, बेजान पड़े अपनों के शव और चारों ओर पसरा सन्नाटा, हर किसी की आंखें नम कर गया। जो परिवार सुबह उम्मीदों के साथ निकला था, वह कुछ ही घंटों में बिखर गया। यह हादसा सिर्फ एक दुर्घटना नहीं, बल्कि एक कड़वा सच है कि लापरवाही और अनजाने खतरे किस तरह पलभर में जिंदगियां छीन लेते हैं। हाईटेंशन लाइन के नीचे से गुजरते समय जरा सी चूक ने दो जिंदगियां खत्म कर दीं और एक परिवार को हमेशा के लिए गहरे दर्द में डुबो दिया।

बैराड़ पुलिस ने 80 लीटर कच्ची शराब जब्त की, आरोपी गिरफ्तार

नवभारत न्यूज

शिवपुरी 3 अप्रैल. अवैध शराब के खिलाफ सख्त अभियान चलाते हुए बैराड़ थाना पुलिस ने एक बार फिर प्रभावी कार्रवाई कर 80 लीटर हाथ भट्टी की बनी कच्ची शराब जब्त करते हुए आरोपी को गिरफ्तार किया है। यह कार्रवाई पुलिस अधीक्षक अमन सिंह राठौड़ के जीरो टॉलरेंस अभियान के तहत की गई। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक संजीव मुले एवं एसडीओपी पोहरी आनंद राय के मार्गदर्शन में 2 अप्रैल की शाम बैराड़ पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली कि बरोद रोड पुलिया के पास एक युवक अवैध शराब के साथ वाहन का इंतजार कर रहा है। सूचना मिलते ही पुलिस टीम ने तत्परता दिखाते हुए मौके पर पहुंचकर घेराबंदी की। पुलिस ने आरोपी तरुण धाकड़ उम्र 24 वर्ष निवासी ग्राम बरोद को दो प्लास्टिक केनों के साथ पकड़ लिया। तलाशी लेने पर केनों में 80 लीटर कच्ची शराब बरामद हुई, जिसकी कीमत करीब 16 हजार रुपए आंकी गई। आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया गया, जहां से उसे जेल भेज दिया गया। उक्त कार्रवाई में थाना प्रभारी निरीक्षक सुरेश शर्मा के नेतृत्व में प्रधान आरक्षक इकबाल अहमद, आरक्षक रविंद्र धाकड़ , संदीप राठौर और लोकेन्द्र सिंह की सराहनीय भूमिका रही।

कोलारस में पेड़ पर लटका मिला 46 वर्षीय युवक, इलाके में सनसनी

नवभारत न्यूज

शिवपुरी 3 अप्रैल. कोलारस कस्बे में शुक्रवार सुबह उस वक्त सनसनी फैल गई, जब एक 46 वर्षीय युवक का शव पेड़ पर फांसी के फंदे पर लटका मिला। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव को नीचे उतारकर जांच शुरू की।

मृतक की पहचान मोतीलाल जाटव उम्र 46 वर्ष पुत्र मथुरा प्रसाद जाटव के रूप में हुई है, जो लंकापुरा रोड स्थित मानीपुरा क्षेत्र में गणेश जी पार्क रविदास मंदिर के पास रहता था। परिजनों के मुताबिक, गुरुवार रात करीब 11 बजे तक मोतीलाल घर के बाहर टहल रहा था। उसका बेटा उसे घर बुलाने भी गया, लेकिन वह वापस नहीं लौटा। सुबह जब लोगों ने पेड़ पर शव लटका देखा तो हड़कंप मच गया और तुरंत परिजनों व पुलिस को सूचना दी गई। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। फिलहाल आत्महत्या के कारणों का खुलासा नहीं हो सका है। कोलारस पुलिस ने मर्ग कायम कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

संकल्प और श्रम की मिसाल : आदिवासी गांव ने खुद बनाया खेतों तक रास्ता

हितेश जैन

पोहरी 3 अप्रैल. पोहरी तहसील से करीब 15 किलोमीटर दूर स्थित आदिवासी गांव अहेरा मडखेड़ा ने एक ऐसी मिसाल पेश की है, जो आत्मनिर्भरता और सामूहिक श्रम की ताकत को दर्शाती है। वर्षों से मूलभूत सुविधा खेतों तक पहुंचने के रास्ते के अभाव में जूझ रहे ग्रामीणों ने आखिरकार अपनी मेहनत और एकजुटता से इस समस्या का समाधान खुद ही कर लिया। गांव के पास स्थित 'कछार' क्षेत्र में अधिकांश ग्रामीणों के खेत हैं, लेकिन वहां तक पहुंचना किसी चुनौती से कम नहीं था। ऊँचे पहाड़, पथरीली घाटियां और घने झाड़-झंखाड़ से भरे इस रास्ते पर बरसात के दिनों में हालात और भी बदतर हो जाते थे। स्थिति इतनी खराब थी कि ट्रैक्टर जैसे वाहन भी वहां तक नहीं पहुंच पाते थे, जिससे किसानों को बैलों के सहारे पारंपरिक खेती करने को मजबूर होना पड़ता था। सबसे ज्यादा परेशानी फसल तैयार होने के बाद होती थी, जब महिलाओं और पुरुषों को अनाज की भारी बोरियां सिर पर रखकर खतरनाक रास्तों से मुख्य मार्ग तक लानी पड़ती थीं। कई वर्षों तक प्रशासन से गुहार लगाने के बावजूद जब कोई सुनवाई नहीं हुई, तो ग्रामीणों ने खुद ही हालात बदलने का संकल्प लिया। गांव के 'विकास समूह' की बैठकों में इस दिशा में पहल की गई। समूह के सदस्य तेज सिंह आदिवासी ने सभी को एकजुट करते हुए समझाया कि यदि रास्ता बन जाए तो खेती आसान हो जाएगी।

वहीं तारा बाई ने महिलाओं को संगठित कर इस अभियान को नई ताकत दी। हालांकि ग्रामीणों ने करीब 5 साल पहले भी सामूहिक श्रम से रास्ता बनाया था, लेकिन हाल की बारिश ने उसे फिर से क्षतिग्रस्त कर दिया। इस बार गांव के बुजुर्ग लम्पी आदिवासी के मार्गदर्शन में पूरे गांव ने आर-पार की लड़ाई लड़ने का फैसला किया।

गांव के हर घर से लोग हाथों में गेंती, फावड़े और सब्बल लेकर निकल पड़े। लगातार 6 दिनों तक चले इस श्रमदान में ग्रामीणों ने कंटीली झाड़ियों को हटाया, बड़े पत्थरों को साफ किया और पहाड़ की कठोर जमीन को समतल कर दिया। यह सिर्फ रास्ता बनाने का काम नहीं था, बल्कि आत्मसम्मान और संघर्ष की कहानी थी। आखिरकार 6 दिनों की कड़ी मेहनत रंग लाई और घाटियों के बीच एक सुगम रास्ता तैयार हो गया। अब ट्रैक्टर आसानी से खेतों तक पहुंच रहे हैं, जिससे किसानों का समय और मेहनत दोनों बच रहे हैं। महिलाओं को भी अब भारी बोझ ढोने से राहत मिल गई है। अहेरा मडखेड़ा का यह प्रयास साबित करता है कि जब लोग एकजुट होकर ठान लें, तो कोई भी मुश्किल बड़ी नहीं होती। यह गांव आज आत्मनिर्भरता और सामूहिक शक्ति की प्रेरणादायक मिसाल बन चुका है।

पत्नी से तकरार बनी जानलेवा, तीन महीने की दूरी के बाद युवक ने उठाया खौफनाक कदम

नवभारत न्यूज

शिवपुरी 3 अप्रैल. शहर के आजाद नगर में शुक्रवार सुबह एक दर्दनाक घटना सामने आई, जहां पारिवारिक विवाद से आहत एक युवक ने फांसी लगाकर अपनी जीवनलीला समाप्त कर ली। घटना से क्षेत्र में सनसनी फैल गई और परिजनों में मातम पसर गया।

जानकारी के अनुसार आजाद नगर निवासी 35 वर्षीय आला शाक्य ने अपने ही घर के कमरे में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। घटना की सूचना मिलते ही कोतवाली पुलिस मौके पर पहुंची और युवक को फंदे से उतारकर जिला अस्पताल पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। बताया जा रहा है कि करीब तीन माह पूर्व आला का अपनी पत्नी पूजा शाक्य से किसी बात को लेकर विवाद हो गया था। इसके बाद पत्नी अपने तीन बच्चों के साथ संजय कॉलोनी स्थित मायके में रहने लगी थी। इस दौरान आला लगातार उसे मनाने और वापस घर लाने की कोशिश करता रहा, लेकिन सफलता नहीं मिली। इसी बात को लेकर वह मानसिक रूप से काफी तनाव में था। परिजनों के मुताबिक, शुक्रवार सुबह भी पति-पत्नी के बीच फोन पर बातचीत हुई थी। इसके कुछ समय बाद ही आला ने यह आत्मघाती कदम उठा लिया। घटना के समय घर में कोई अन्य सदस्य मौजूद नहीं था। मामले की जानकारी मिलते ही पत्नी भी बच्चों के साथ जिला अस्पताल पहुंची। उसने बताया कि वह अपने पिता के साथ हुई मारपीट की घटना से नाराज होकर मायके में रह रही थी। कोतवाली पुलिस ने मर्ग कायम कर शव का पोस्टमार्टम करवा दिया है। पुलिस का कहना है कि पीएम रिपोर्ट और परिजनों के बयानों के आधार पर आगे की जांच की जाएगी।

भाजपा का 46वां स्थापना दिवस 6 अप्रैल को धूमधाम से मनेगा

नवभारत न्यूज

शिवपुरी 3 अप्रैल. भारतीय जनता पार्टी का 46वां स्थापना दिवस 6 अप्रैल को जिलेभर में हर्षोल्लास और उत्साह के साथ मनाया जाएगा। कार्यक्रमों की शुरुआत 5 अप्रैल से होगी और 12 अप्रैल तक विभिन्न सेवा कार्य एवं संगठनात्मक गतिविधियां आयोजित की जाएंगी।

भाजपा जिला अध्यक्ष जसवंत जाटव ने बताया कि 5 अप्रैल को जिला एवं मंडल कार्यालयों पर सजावट और विद्युत साज-सज्जा की जाएगी। 6 अप्रैल को भाजपा कार्यालयों पर ध्वजारोहण एवं उद्बोधन कार्यक्रम आयोजित होंगे, जिनमें जिले के सभी जनप्रतिनिधि, पदाधिकारी, प्राथमिक एवं सक्रिय सदस्य भाग लेंगे। इस दौरान पार्टी के इतिहास, विकास यात्रा और उपलब्धियों पर प्रकाश डाला जाएगा। जिलाध्यक्ष जसवंत जाटव ने बताया कि जिले की पांचों विधानसभा क्षेत्रों के प्रत्येक बूथ पर

5 से 12 अप्रैल तक सेवा और संगठन के विविध कार्यक्रम

भी स्थापना दिवस मनाया जाएगा। सभी कार्यकर्ता अपने-अपने घरों पर भाजपा का ध्वज लगाकर सेल्फी संगठन एप पर अपलोड करेंगे। जिले के महामंत्री योगेंद्र रघुवंशी, लवलेश जैन एवं के.पी. परमार ने संयुक्त रूप से जानकारी देते हुए बताया कि 8 या 9 अप्रैल को जिला स्तर पर भाजपा कार्यालय में विशाल कार्यकर्ता सम्मेलन आयोजित किया जाएगा, जिसमें प्रदेश स्तर के वक्ता शामिल होंगे। सम्मेलन में संगठन विस्तार, चुनावी सफलता में जनसमर्थन, भारतीय राजनीति में भाजपा के योगदान, सेवा भाव, अंत्योदय एवं विकास जैसे विषयों पर चर्चा होगी। साथ ही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार द्वारा किए गए ऐतिहासिक कार्यों पर भी प्रकाश डाला जाएगा। जिलाध्यक्ष जसवंत जाटव एवं जिला मीडिया प्रभारी मुकेश जैन (पत्रकार) ने बताया कि 7 अप्रैल से 12 अप्रैल तक गांव-बस्ती चलो अभियान चलाया जाएगा। इस अभियान में सांसद, विधायक, जिला एवं जनपद पंचायत अध्यक्ष, नगर पालिका एवं नगर परिषद अध्यक्ष, पार्षद, जिला एवं जनपद सदस्य, सभी मोर्चा पदाधिकारी सहित भाजपा के सभी कार्यकर्ता भाग लेंगे। जिलाध्यक्ष जसवंत जाटव ने जिले के सभी विधायक, सांसद प्रतिनिधि, नगर पालिका एवं नगर परिषद अध्यक्ष-पार्षद, जिला एवं जनपद पंचायत अध्यक्ष-उपाध्यक्ष, सभी पूर्व विधायक, भाजपा के सभी मोर्चा अध्यक्ष एवं कार्यकारिणी, जिला पदाधिकारी, मंडल अध्यक्ष एवं उनकी कार्यकारिणी सहित सभी देवतुल्य कार्यकर्ताओं से आह्वान किया है कि वे स्थापना दिवस के सभी कार्यक्रमों में सक्रिय सहभागिता कर पार्टी की रीति-नीति और उपलब्धियों को जन-जन तक पहुंचाएं।

नपाध्यक्ष का अल्टीमेटम, 4 दिन में सीएमओ को सबक

नवभारत न्यूज

शिवपुरी 3 अप्रैल. नगर पालिका के दफ्तर में उस वक्त सियासी तूफान खड़ा हो गया, जब नपाध्यक्ष गायत्री शर्मा खुद एक्शन मोड में पहुंच गईं। कुछ ही घंटों में उनके दो वीडियो वायरल हुए और पूरे मामले ने प्रशासनिक टकराव का रूप ले लिया। वीडियो में नपाध्यक्ष न सिर्फ लेखा शाखा में सख्त तेवर में नजर आईं, बल्कि सीएमओ पर सीधे-सीधे भ्रष्टाचार के आरोप लगाते हुए खुली चेतावनी भी दे डाली।

गुरुवार दोपहर अचानक हुई इस एंट्री ने कर्मचारियों को सकते में डाल दिया। नपाध्यक्ष अपने पति संजय शर्मा के साथ एकाउंट सेक्शन पहुंचीं और सवालों की बौछार कर दी। माहौल इतना गरमा गया कि कर्मचारी कमरे से बाहर निकलने लगे। इसके बाद उन्होंने कैशबुक मंगवाकर साफ आदेश दिया कि मेरी जानकारी के बिना एक भी भुगतान नहीं होगा। वायरल वीडियो में सबसे ज्यादा चर्चा उस बयान की हो रही है, जिसमें नपाध्यक्ष कहती हैं कि सीएमओ मेरी वजह से यहां है, चार दिन में उसका मुंह काला करके दिखाऊंगी। इतना ही नहीं, उन्होंने कंक्रीट से जुड़ी फाइलों में गड़बड़ी का आरोप लगाते हुए सीएमओ को चोर तक कह दिया। दूसरी तरफ, इस पूरे घटनाक्रम ने कर्मचारियों में डर और असमंजस का माहौल बना दिया है। प्रभारी लेखापाल रविकांत झा ने लिखित शिकायत में आरोप लगाया है कि नपाध्यक्ष और उनके पति ने फाइलें छीन लीं, कैशबुक अपने साथ ले गए और बिना अनुमति किसी भी भुगतान पर रोक लगाने के निर्देश दिए। कर्मचारियों को नौकरी से निकालने की धमकी देने का भी जिक्र किया गया है। नपाध्यक्ष का पक्ष भी उतना ही आक्रामक है। उनका कहना है कि पार्षदों और ठेकेदारों से लगातार शिकायतें मिल रही थीं, इसलिए उन्हें खुद हस्तक्षेप करना पड़ा। उन्होंने साफ संकेत दिए कि अब नगरपालिका का पूरा वित्तीय नियंत्रण उनके हाथ में रहेगा। इस घटनाक्रम ने साफ कर दिया है कि शिवपुरी नगरपालिका में कुर्सी और कमान की लड़ाई खुलकर सामने आ चुकी है। सवाल अब यह है कि क्या यह मामला केवल आरोप-प्रत्यारोप तक सीमित रहेगा या फिर जांच के बाद किसी बड़ी कार्रवाई की ओर बढ़ेगा। फिलहाल, शहर में एक ही चर्चा है कि नगर पालिका में असली ताकत किसके हाथ में है?

शिवपुरी के धैर्यवर्धन शर्मा को भाजपा में बड़ी जिम्मेदारी, बने प्रदेश प्रवक्ता

नवभारत न्यूज

शिवपुरी 3 अप्रैल. भारतीय जनता पार्टी ने संगठन और रणनीति के भरोसेमंद चेहरे के रूप में शिवपुरी के वरिष्ठ कार्यकर्ता धैर्यवर्धन शर्मा को प्रदेश प्रवक्ता नियुक्त कर नई जिम्मेदारी सौंपी है। इस नियुक्ति के साथ ही जिले में उत्साह का माहौल है और कार्यकर्ताओं में खुशी की लहर दौड़ गई है।

5 नवंबर 1972 को शिवपुरी में जन्मे धैर्यवर्धन शर्मा ने बी.ए. और एलएलबी की शिक्षा प्राप्त कर राजनीति के साथ सामाजिक क्षेत्र में भी सक्रिय भूमिका निभाई है। हाल ही में वे पश्चिम रेलवे की जोनल रेलवे उपभोक्ता सलाहकार समिति के सदस्य पद से सेवानिवृत्त हुए हैं। शर्मा का राजनीतिक सफर लंबे अनुभव से भरा रहा है। वे वर्ष 2016 में भाजपा प्रदेश कार्यसमिति सदस्य रहे, वहीं 2018 में प्रवक्ता पैनलिस्ट के रूप में सक्रिय भूमिका निभाई। इससे पहले 2009 में भाजयुमो प्रदेश मंत्री, 2006 में भाजपा जिला शिवपुरी के जिला महामंत्री और 1998 में भाजयुमो जिला अध्यक्ष के रूप में संगठन को मजबूत किया। निर्वाचित जनप्रतिनिधि के तौर पर भी उन्होंने अपनी पहचान बनाई। 1999 में नगरपालिका परिषद शिवपुरी के पार्षद चुनाव में कांग्रेस की परंपरागत सीट पर जीत हासिल कर उन्होंने अपनी राजनीतिक पकड़ का परिचय दिया। चुनावी रणनीति में भी शर्मा की मजबूत पकड़ रही है।

बदरवास में आधी रात को दो दुकानों में लगी भीषण आग, जेसीबी से तोड़े शटर, लाखों का नुकसान

नवभारत न्यूज

शिवपुरी 3 अप्रैल. बदरवास कस्बे में गुरुवार देर रात भीषण आग ने दो दुकानों को अपनी चपेट में ले लिया। किराना थोक और बेकरी की दुकानों में लगी इस आग ने देखते ही देखते विकराल रूप ले लिया। हालात इतने बिगड़ गए कि आग पर काबू पाने के लिए जेसीबी से शटर और दीवार तोड़नी पड़ी। करीब ढाई घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद दो फायर ब्रिगेड ने आग पर नियंत्रण पाया।

जानकारी के मुताबिक बदरवास निवासी विष्णु सिंघल अपने मकान के नीचे किराना थोक का कारोबार करते हैं, जबकि उनकी एक दुकान किराए पर नंद किशोर यादव को दी गई थी, जहां बेकरी संचालित हो रही थी। गुरुवार रात करीब 12 बजे दुकानें बंद हुईं, लेकिन रात 2 बजे अचानक धुआं उठता दिखाई दिया। नीचे पहुंचने पर शटर के भीतर से आग की तेज लपटें निकलती दिखीं। सूचना मिलते ही बदरवास थाना पुलिस और फायर ब्रिगेड मौके पर पहुंची, लेकिन शटर बंद होने के कारण आग तक पहुंचना मुश्किल था। हालात को देखते हुए जेसीबी बुलाकर दोनों दुकानों के शटर तोड़े गए। आग तेजी से परचून के गोदाम तक फैल चुकी थी, जिससे एक दीवार भी गिरानी पड़ी। आग बुझाने में बदरवास और कोलारस नगर परिषद की फायर ब्रिगेड को करीब ढाई घंटे तक जूझना पड़ा। इस दौरान बेकरी में रखा डिफ्रीजर, माइक्रोवेव, फ्रिज, ओवन समेत लगभग पूरा सामान जलकर राख हो गया। वहीं किराना दुकान में रखा लाखों रुपये का माल भी आग की भेंट चढ़ गया। फिलहाल आग लगने के कारणों का खुलासा नहीं हो सका है। प्रारंभिक तौर पर शॉर्ट सर्किट की आशंका जताई जा रही है, लेकिन पुलिस जांच के बाद ही स्थिति स्पष्ट हो पाएगी। घटना के बाद क्षेत्र में दहशत का माहौल है।

10 .40 लाख की स्मैक बरामद, आरोपी नीतेश गिरफ्तार

नवभारत न्यूज

दिनारा 3 अप्रैल. पुलिस अधीक्षक शिवपुरी अमन सिंह राठौड़ द्वारा अवैध मादक पदार्थों का क्रय विक्रय करने वालो के विरुध्द कार्यवाही करने हेतु समस्त थाना प्रभारियो को निर्देश दिये गये हैं, जिसमें अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक शिवपुरी संजीव मुले एवं एसडीओपी करैरा आयुष जाखड़ के मार्ग दर्शन मे थाना प्रभारी करैरा निरीक्षक विनोद सिहं छावई एवं उनकी टीम के द्वारा लगातार मुखबिर मामूर कर दविश देकर कार्यवाही की जा रही है। अभियान के क्रम मे 2 अप्रेल को थाना करैरा पुलिस को मुखविर द्वारा सूचना मिली कि एक व्यक्ति ग्राम टोरिया के पास आम रोड़ पर स्मैक विक्रय करने के लिये किसी के इंतजार मे खडा है उक्त सूचना की तस्दीक हेतु मुखबिर के बताये स्थान ग्राम टोरिया के पास आम रोड़ के पास कच्चे रास्ते पर पहुंचे तो मुखबिर के बताये हुलिया के व्यक्ति काले रंग की बुलेट मोटर साईकिल पर बैठा दिखा जो पुलिस की गाडी को आता देख भागने का प्रयास करने लगा जिसे हमराही बल की मदद से घेर कर पकड़ा उसका नाम पता पूछा तो

उसने अपना नाम नीतेश उर्फ भूरा यादव पुत्र जय हिंद यादव उम्र 24 साल नि. ग्राम जोहरया थाना उदुगंवा जिला दतिया का होना बताया उक्त व्यक्ति की तलाशी लेने पर उससे 52 ग्राम स्मैक पाउडर एवं एक इलैक्ट्रिक तोल कांटा मिला आरोपी से स्मैक रखने का लाईसेंस चाहा तो नही होना बताया आरोपी का कृत्य धारा 8/21 एनडीपीएस एक्ट का पाया जाने से आरोपी को गिरफ्तार किया गया आरोपीगण के विरुध्द अपराध क्रमांक 227/26 धारा 8/21 एनडीपीएस एक्ट का पंजीबद्ध किया गया। आरोपी से स्मैक के स्त्रोत के संबध मे विस्तृत पूछताछ की तो उसने साथी आरोपिया कृतिका पुत्री कल्लू पण्डित (तिवारी) नि. डैनेडा करैरा हाल नि. आईटीआई झांसी से स्मैक विक्रय करने के लिए खरीद कर लाना बताया। सहभागी आरोपिया की तलाश की जा रही है।

थाना प्रभारी करैरा निरी. श्री विनोद छावई, सउनि चरन सिंह, प्रआर डैनी कुमार, आर. 338 हरेन्द्र सिंह, आर मत्स्येन्द्र गुर्जर, आर चालक रामअवतार गुर्जर, आर संदीप चौहान, आर राघवेन्द्र पाल थाना करैरा जिला शिवपुरी

डॉ . अंबेडकर ने बदली आर्थिक व्यवस्था की तस्वीर

भारत की आधुनिक मुद्रा प्रणाली, बैंकिंग ढांचा और वित्तीय नियंत्रण व्यवस्था की नींव में डॉ . भीमराव अंबेडकर की गहरी सोच और शोध का अहम योगदान रहा है। उन्होंने उस समय भारतीय अर्थव्यवस्था की सबसे बड़ी समस्या, मुद्रा की अस्थिरता, को पहचाना और उसका स्थायी समाधान प्रस्तुत किया। मुगल काल में अकबर के दौर में सोने की मोहर और चांदी के रुपये प्रचलन में थे, लेकिन देशभर में अलग-अलग टकसालों के कारण इन सिक्कों का वजन और शुद्धता एक समान नहीं थी। लाहौर, आगरा, कंधार और दिल्ली के सिक्कों में अंतर होने से व्यापार में कठिनाइयाँ पैदा होती थीं। ब्रिटिश काल में भी विभिन्न प्रेसीडेंसी द्वारा अलग-अलग मानक तय किए जाने से स्थिति में सुधार नहीं हुआ। इन्हीं समस्याओं का गहराई से अध्ययन करते हुए डॉ . अंबेडकर ने 1923 में द प्रोब्लम ऑफ द रूपी,इट्स ओरिजन एण्ड इट्स सोल्यूशन नामक पुस्तक लिखी। इसमें उन्होंने भारतीय मुद्रा की अस्थिरता के कारणों और समाधान का विस्तृत विश्लेषण प्रस्तुत किया। उन्होंने सुझाव दिया कि मुद्रा नियंत्रण को सरकार से अलग रखते हुए एक स्वतंत्र संस्था के अधीन किया जाए और एक स्थिर मौद्रिक नीति अपनाई जाए। भारतीय रिजर्व बैंक ने भी डॉ . अंबेडकर को अपना 'वैचारिक जनक' माना है। आज जब भारत की मजबूत बैंकिंग और वित्तीय प्रणाली की बात होती है, तो यह स्पष्ट होता है कि इसकी आधारशिला डॉ . भीमराव अंबेडकर की दूरदर्शी सोच और आर्थिक समझ पर ही टिकी हुई है।

(लेखक मोतीलाल अहिरवार)

नोट - लेखक शिवपुरी जिले में डिप्टी कलेक्टर के रूप में पदस्थ हैं।